FIRST TIME IN INDIA

Deemark Diaba Plus Tablets

Diabetes is a condition where our body cells become incapable of utilizing glucose as a source of energy, either because of less production of insulin (a hormone produced by beta cells in the pancreas which acts by pushing glucose inside the body cells) or body cells become resistant to the action of insulin. In both the conditions, body cells don't get the required fuel for energy production and they have to rely upon fats and proteins for energy. This condition is also referred to as Metabolic Syndrome.

FIRST TIME IN INDIA Deemark Diaba Plus has been introduced as a unique blend of ayurvedic herbs with proven efficacy in Diabetes. The formulation of Deemark Diaba Plus has been developed by C.R.R.A.S. (Central Council for Research in Ayurvedic Sciences) Ministry of Ayush, Govt. of India. This is a complete formulation which controls all aspects of diabetes & it has been developed after research and human double blind clinical trials on hundreds of patients and came out with wonderful result, that's why also called-THE WONDER MEDICINE.

The research technology has been transferred to Altis Life Sciences by National Research Development Corporation, The Dept. of Scientific and Industrial Research, Ministry of Science & Technology.

It is a blend of balanced quantity and concentration of herbs which have synergistic action. It takes care of all aspects of Diabetes including long term major 9 complications like-Retinopathy, Neuropathy, Nephropathy, Cardiovascular Complications, High B.P., Alzheimer-Dementia, Dental Problem like Gingivitis, pyorrhea, Skin & soft tissue infection, Non-healing wounds & Ulcers, ete.

THE FORMULATION CONTAINS EXTRACTS DERIVED FROM

1. **Amra (Mangiferra indica)-** is an important herb in Ayurveda. Major bio-active compound are polyphenols, Carotenoids, Triterpenoids, Magniferrin, Tannins, Garllic acid derivatives & soluble dietary fibers. All these bioactive compounds act by releasing more insulin from beta-cells & get hypoglycemic effects.
2. **Karela (Momordica charantia)-** is commonly used in Indian & Asian house-holds having proven efficacy in Diabetes. Bio-active compounds present in it are-
   - **A.** Charatin- Lowers blood glucose effectively.
   - **B.** Polypeptide- P- A plant insulin which acts like insulin in the body and also increases production of insulin by beta cells of Pancreas.
   - **C.** Lectin and vicine- Act on peripheral tissues, decrease and resistance to insulin and also suppress appetite (similar to the effect of insulin on brain). Lectin is a major factor behind hypoglycemic effect of bitter-guard.
3. **Gurmar (Gymnema sylvester)-** Woody climbing shrub, native to India & Africa. Gurmar (Destroyer of Sugar) is being used in Ayurveda for thousands of years to control Diabetes. Bio-active compound in it are Gymnemic-Acid and Gymnema saponins that suppress sweetness in human beings.
   - **A.** Acts by inhibiting glucose uptake by intestines.
   - **B.** Increases body's ability to produce insulin by regenerating Beta-cells.
   - **C.** Also help in reducing cholesterol & triglycerides.
   - **D.** Also increases glucose uptake & utilization.
4. **Jamun (Syzgium cumini)-** is evergreen tropical tree native to inda, Bangladesh, Pakistan, being used in Ayurveda for thousands of years to control Diabetes. Bio-active compound-Mycaminose-isolated from seed extracts of syzgium cumini:-
   - **A.** Prevents the surge in sugar levels immediately after meals & keeps it well under control.\
   - **B.** Regenerates insulin secreting Beta-cells in pancreas & makes it secrete more insulin in long run.
   - **C.** Enhances natural insulin sensitivity & reduces insulin resistance.
   - **D.** Curtails the craving for sugar & carbohydrate in natural manner.
   - **E.** Also acts as powerful Anti-oxidant & prevents damage to Beta-cells.
5. **Shudh Shilajit-** A brown tar like exudate from crevices in high up Himalayan rocks. Shilajit means conqueror of rocks. It is being used in Ayurveda for thousands of years to control Diabetes.
   - **A.** Fulvic Acid & Anti-oxidants in it help to reduce free-radical damage to beta cells thereby helping to increase insulin production.
   - **B.** Stimulates to Beta-cells to produce more insulin.
   - **C.** Helps to push more glucose inside the cells because fulvic acid acts as a carrier molecule.
   - **D.** Dibenzopyrene in fulvic acid prevents damage to brain cells in Alzheimer and Dementia.

Dosage: Two tablets three times a day, half an hour before meals or as directed by the physician.

PRECAUTIONS:

- Check your sugar level regularly with Glucometer.
- Reduce your allopathic medication gradually in consultation with your doctor.
- Maintain healthy life style & moderate exercise regularly.

Deemark®

DIABA PLUS

डीमार्क डायबा प्लस लेने की विधि

डीमार्क डायबा प्लस टेबलेट : **2** टेबलेट सुबह

2 टेबलेट दोपहर

2 टेबलेट रात को खाना खाने के आधा घंटा पहले।

सुझाव : हरी सब्जियों एंव सलाद का सेवन अधिक करें।

प्रात : काल एंव रात्रि के भोजन के बाद **15** से **20** मिनट अवश्य टहलें।

परहेज : मीठा (चीनी), मिठाई, मीठे फल (चीकू केला, अगूंर, आम) चावल, आलू ना लें, मिर्च मसाले, तली हुई चीजें, मांस, धूम्रपान, शराब आदि का प्रयोग न करें।

ग्लूकोमीटर से अपनी शुगर हफ्ते में एक बार जांचें।

मधुमेह में उपयोगी आसन

अर्धमत्स्येद्रासन

मत्स्यासन

धनुरासन

TELEONE CONSUMERS PRODUCT PVT. LTD.
P.O. Box No. 10555, Pitampura, New Delhi - 110034 (INDIA)
Visit us: www.teleone.in, Customer Care : 092 11 711 166

DIET CHART

प्रतिदिन आहार व्यवस्था मधुमेह पीड़ित रोगियों के लिए

वसा (चर्बीयुक्त आहार)

1 खुराक में

1 चम्मच (5 मि॰ ली॰) सोयाबीन तेल, 1 चम्मच पनीर या

1 चम्मच डालडा/गाय का देशी घी, 2 चम्मच जैतून का तेल, 6 मूगंफली के दानें।

Fats & वसा (3.5 SERVINGS)

दूधादि (3–5 खुराक) प्रति खुराक में 1 कप डबल–टोंड दूध/छाछ या 1 कप वसा रहित दही/1 कप फल युक्त दही

(3–5 खुराक) प्रति खुराक में 1 कप अपक्व, पत्तेदार हरी सब्जियां/अंकुर/ गाजर या 1/4 कप सबिजयां का स्वरस या 1/2 कप कटे हुए/पकी हुई सब्जियां

दालें (2–4 खुराक) 1 खुराक में 1 कप पकी हुई तुर दाल/मूगंदाल/मसूर दाल या 1/2 कप पका हुआ राजमा/चना/अकुंरित या 25 ग्रा. अपक्व

मांसादि वर्ग (2–3 खुराक) 1 खुराक में 30 ग्रा. पकी हुई मछली या 30 ग्रा. पकी हुई मुर्गी या 30 ग्रा. भुना हुआ मांस

फलादि (2–3 खुराक) 1 खुराक में 1 सेब/संतरा/या 1 स्लाईस तरबूज/ 1/4 कप फलों का जूस या 1/2 कप कटे हुए फल जामुन/आमला स्वरस

अन्नादि (6 या अधिक खुराक) 1 खुराक में 1 पौष्टिक आटे की चपाती/इडली /दलियां या 1/2 कप चावल या 1/2 कप पका हुआ अन्न 1/4 कप सूखा अन्न/ 1 छोटा आलू/कच्चा केला या 1 रोटी/1 डोसा (40 ग्रा. पका हुआ) 1 इडली 30 ग्रा./ 1/2 कप उपमा

धारणीय आहार योजना

- सभी प्रकार का खाना खायें
- खाना भली प्रकार से चबा कर खायें अपना खाना लगभग 20 मिनट तक अच्छे से चबाकर खायें।
- रोज सुबी नाश्ता अवश्य करें।
- दिन में हर थोड़ी देर में थोडा–थोडा खाना बार बार खायें।

अपेक्षित आहार-समय

अधासणीय आहार योजना

- अप्राकृतिक पेयजल (साफ्ट ड्रिक्स), केक और चॉकलेट
- अगूर/तरबूज/आम/खजूर ज्यादा मात्रा में लें।
- खाने में नमक की मात्र घटायें।
- खाने में वसा तत्व की नियंत्रित कीजिए जैसे मांस , मक वसायुक्त दूध या कीम।

भारत में पहली बार

डीमार्क डाएबा प्लस टेबलेट्स

मधुमेह एक भयंकर रोग है। जिसमे शरीर की कोशिकाओं को ग्लुकोस ऊर्जा के रूप में इस्तेमाल करने की छमता कम हो जाती है। और वह धीरे धीरे इतनी भयंकर हो जाती हैं की कोशिकाओं को अब ऊर्जा के लिए वसा या प्रोटीन का प्रयोग अवश्क हो जाता है। इससे शरीर की आंतरिक प्रक्रियाओं का संतुलन बिगड़ जाता है। जिससे रक्त में शर्करा का स्तर बढ़ने के साथ-साथ कोलेस्ट्रॉल, ट्राई-ग्लिसराइड व कीटोन्स का स्तर भी बढ़ जाता है। इसको मेटाबोलिक सिंड्रोम कहा जाता है।

भारत में पहली बार डीमार्क डाएबा प्लस फॉर्मुलेशन सी॰ सी॰ आर॰ ए॰ एस॰ (अखिल भारतीय आयुर्वेद अनुसंधान), मिंस्ट्री ऑफ आयुष, गोवेमैंट ऑफ इंडिया, द्वारा रिसर्च एव ह्यूमन डबल ब्लाइंड ट्रायल के बाद विकसित की गयी एक चमत्कारिक व अदभुद औषधि है। जो की मधुमेह के मरीजों को हर तरह से ठीक करने में मदद करती है।

इसकी रिसर्च एव टेक्नोलॉजी, जन-जन तक पहुंचाने के जिम्मेदारी अखिल भारतीय अनुसंधान, मिंस्ट्री ऑफ साइंस एन्ड टेक्नोलॉजी द्वारा अल्टिस लाइफ साइंस को सौपी गयी है। क्योंकि उन्हें विशवास है, कि अल्टिस जो की **Quality** में **No.1** है। वह भारत की जनता तक सबसे उत्तम श्रेणी की दवा को पहुचाएगा। इसमें पाए जाने वाले घटक तत्व इस अनुपात और मात्रा में मिलाये गए है। की वो सब मिलकर मधुमेह को कंट्रोल करने में सक्षम है। यह ब्लड शुगर लेवल को संतुलित करता है। एव बढे हुए शुगर लेवल से होने वाली कॉम्प्लिकेशन जैसे की किडनी के रोग, मोतिया, दिल के रोग, उच्च रक्तचाप, नसों का सुन्न होना, अंधापन, आँखो में धुंधलापन, दांतो की परेशानी जैसे की मसूड़ों में सूजन व पाइरिया जैसी खतरनाक बीमारियों को भी कंट्रोल करने में मदद करता है।

डीमार्क डाएबा प्लस औषधि की घटक जड़ी-बूटियाँ

1. आमरा (**MANGIGERRA INDICA**) : आयुर्वेद में हजारो वर्षो से एक मुख्य जड़ी-बूटी के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है। इसमें आये जाने वाले मुख्य बायोएक्टिव तत्व है- **POLYPHENOLS, CAROTENOIDS, TRITERPENOIDS, MANGIFERIN, TANNINS, GALLIC ACID, DERIVATIVES & FIBRES-** यह सब घटक मिलकर बीटा सेल्स पर काम करते है। व इन्सुलिन की मात्रा व अनुपात को शरीर में बढ़ाते है, जिससे शक्कर की मात्रा रक्त में संतुलित हो जाती है।
2. करेला (**MOMORDICA**) : यह कुदरत का करिश्मा है। जो ब्लड शुगर को कंट्रोल करने में अदभुध क्षमता रखता है। इसमें पाए जाने वाले बायोएक्टिव तत्व है।
   - **CHARANTIN** : जो ब्लड शुगर के स्तर को नीचे लाने में बहुत सक्षम है।
   - **POLYPEPTIDE** : इसे पौधों से निकलने वाली इन्सुलिन भी कहते है। यह बीटा सेल्स में बनने वाली इन्सुलिन की मात्रा को बढ़ाती है।
   - **LECTIN AND VICINE** : यह मांसपेशियों पर काम करके ग्लूकोस की खपत को शरीर में बढ़ाते है। व इस प्रकार शर्करा के स्तर को रक्त में कम करते है।
3. गुड़मार (**GYMNEMA SYLVESTER**) : हजारो वर्षो से आयुर्वेद में मधुमेह की जानी-मानी औषधि के रूप में इस्तेमाल की जाती है। इसमें पाए जाने वाले **GYMNEMA & ACID AND GYMNEMA SAPONINS** ग्लूकोस को छोटी आंतो से अवशोषित नहीं होने देते है। पेंक्रियाज में पायी जाने वाले बीटा-सेल्स को सक्रिय कर शरीर में इन्सुलिन की मात्रा को बढ़ाता है। रक्त में बढ़े हुए **CHOLESTEROL & TRIGLYCERIDES** को भी कम करती है। कोशिकाओं द्वारा ग्लूकोस के अपटेक बढाती है।
4. जामुन (**SYZGIUM CUMINI**) : इसमें पाए जाने वाला बायोएक्टिव तत्व "**MYCAMINOSE**" भोजन के बाद बढने वाले शर्करा के स्तर को बढ़ने से रोकता है। बीटा सेल को सवस्थ कर इन्सुलिन के स्तर को रक्त में बढ़ाता है। कोशिकाओं में इन्सुलिन के प्रति सेंसिटिविटी को बढ़ाता है। यह एक उत्तम और सक्षम एंटीऑक्सीडेंट के रूप में काम करता है।
5. शिलाजीत- एक भूरे रंग का रसायन जो ऊची पहाड़ियों व चट्टानों की कंदराओं से रिसाव के रूप में उपलब्ध किया जाता है। इसमें पाए जाने वाले फिल्विक एसिड व मिनरल्स, बीटा सेल्स को स्वस्थ कर इन्सुलिन के स्तर को बढ़ाते है। फिल्विक एसिड में पाए जाने वाले डाईबैंजोपाइरीन मस्तिष्क की मजबूत करके एल्जाइमर व डिमेंशिया जैसी खतरनाक बीमारियों से मधुमेह के मरीजों को निजात दिलाता है।

डीमार्क डाएबा प्लस लेने की विधि- दो गोली दिन में तीन बार खाना खाने से आधा घंटा पहले पानी के साथ अथवा चिकित्सक के निर्देश अनुसार।

सावधानिया

- अपने ब्लड शुगर लेवल की नियमित रूप से ग्लूकोमीटर से जाँच करवाए।
- अपनों एलोपैथिक दवाइयों को अपने डॉक्टर की सलाह के अनुसार धीर-धीरे कम करें।
- नियमित व्यायाम और संतुलित भोजन से अपनी जीवन शैली को सवस्थ बनाए।